विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

कोड नं. : 04

विषयः मनोविज्ञान

पाठ्यक्रम

टिप्पणीः

पाठ्यक्रम दस इकाइयों में विभक्त है। प्रश्नपत्र में 100/ 150/ 200 वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प होंगे, जिनमें से एक सही विकल्प का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से कम से कम 10/ 15/ 20 प्रश्न पूछे जाने अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 या 2 अंक निर्धारित होंगे।

इकाई-I

मनोविज्ञान का आविर्भाव

कुछ प्रमुख प्राच्य पद्धतियों में मनोवैज्ञानिक चिंतन : भगवद् गीता, बौद्ध धर्म, सूफीवाद तथा समाकलित योग। भारत में शैक्षिक मनोविज्ञान : स्वतंत्रतापूर्व युग; स्वातंत्र्योत्तर युग; 1970 का दशक : सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की ओर कदम; 1980 का दशक : स्वदेशीकरण; 1990 का दशक : रूपावली संबंधी सरोकार, विषयानुशासनात्मक पहचान का संकट : 2000 का दशक – शैक्षणिक समुदाय में भारतीय मनोविज्ञान का आविर्भाव। मुद्देः कोलोनियल इंकाउंटर; उत्तर – उपनिवेशवाद तथा मनोविज्ञान, एक पृथक विषयानुशासन होने के गुण का अभाव।

पाश्चात्य : यूनानी विरासत, मध्यकाल और आधुनिक काल, संरचनावाद, प्रकार्यवाद, मनोविश्लेषणात्मक, गेस्टाल्ट, व्यवहारवाद, मानतावादी–अस्तित्वपरक, परावैयक्तिक, संज्ञानात्मक परिक्रमण, बहुसंस्कृतिवाद। शैक्षणिक मनोविज्ञान के चार संस्थापक–वुंट, फायड, जेम्स, डीथे। मुद्दे: प्रयोगात्मक–वैश्लेषिक रूपावली (तार्किक अनुभववाद) के प्रति कठोर लगाव के फलास्वरूप मनोविज्ञान पर संकट। आधुनिक मनोविज्ञान पर भारतीय प्रभाव।

ज्ञान–रूपावली के अनिवार्य पहलू : सत्तामीमांसा, ज्ञानमीमांसा, तथा प्रणाली विज्ञान। पाश्चात्य मनोविज्ञान की रूपावलियाँ : प्रत्यक्षवाद, उत्तर–प्रत्यक्षवाद, क्रिटिकल पर्सपेक्टिव, सामाजिक रचनावाद, अस्तित्वपरक घटनाविज्ञान, तथा सहकारी जाँच। रूपावलीपरक विवाद : मनोवैज्ञानिक ज्ञान के विषय में उल्लेखनीय भारतीय रूपावलियाँ : योग, भगवद् गीता, बौद्ध धर्म, सूफीवाद और समाकलित योग। विज्ञान तथा आध्यात्मिकता (अविद्या तथा विद्या)। मनोविज्ञान में आत्मज्ञान की उत्कृष्टता।

इकाई-II

शोध प्रविधि तथा सांख्यिकी

शोध : अर्थ, उद्देश्य, तथा आयाम।
शोध समस्या, चर तथा परिचालनात्मक परिभाषाएँ, प्राक्कल्पना, नमूना–चयन।
शोध के संचालन और प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में नैतिक–आचार
शोध की रूपावलियाँ : मात्रात्मक, गुणात्मक, शोध का मिश्रित विधि उपागम।
शोध की विधियाः प्रेक्षण, सर्वेक्षण [साक्षात्कार, प्रश्नावली] प्रायोगिक, अर्द्ध–प्रायोगिक, क्षेत्र अध्ययन, प्रति–सांस्कृतिक अध्ययन, घटनाविज्ञान, ग्राउण्डेड थिअरी, फोकस ग्रुप, वृत्तांत–वर्णन, केस अध्ययन, नृजातिवर्णन।

मनोविज्ञान में सांख्यिकी : केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन और प्रकीर्णन, सामान्य प्रायिकता वक्र, प्राचलिक [टी-टेस्ट] तथा गैर–प्राचालिक टेस्ट्स [साइन टेस्ट, विलकॉक्सन साइंड रैंक टेस्ट, मैन, व्हिटने टेस्ट, क्रुस्कल, वैलिस टेस्ट, फ्रिडमैन]। पावर एनालिसिस। एफेक्ट साइज।

सहसंबंधपरक विश्लेषण : सहसंबंध [गुणन–आघूर्ण, कोटि–क्रम], आंशिक सहसंबंध, बहुलसहसंबंध। सहसंबंध की विशेष विधियाँ : द्विपंक्तिक, प्वायंट द्विपांक्तिक, चुतष्कोष्ठि, फी गुणांक।

प्रतिगमन : साधारण रेखीय प्रतिगमन, बहुप्रतिगमन
फैक्टर विश्लेषण : अनुमान, विधियाँ, क्रमावर्तन तथा, निर्वचन।
प्रायोगिक अभिकल्प : अनोवा [एकतरफा, फैक्टोरियल] यादृच्छिक ब्लाक अभिकल्प, पुनरावृत्त मापन अभिकल्प, लेटिन स्क्वायर, कोहर्ट स्टडीज, टाइम सिरीज, मैनोवा, एनकोवा, एकल–विषय अभिकल्प

इकाई-III

मनोवैज्ञानिक परीक्षण

परीक्षणों के प्रकार
परीक्षण संरचना : मद–लेखन, मद विश्लेषण
परीक्षण का मानकीकरण: विश्वसनीयता, वैधता तथा मानदण्ड

परीक्षण करने के क्षेत्र : बुद्धि, सृजनात्मकता, तांत्रिकामनोवैज्ञानिक परीक्षण, अभिक्षमता, व्यक्तित्व–निर्धारण, इंटरेस्ट इवेंट्री।
अभिवृत्ति मापने के–पैमाने : शब्दार्थ विभेदक, स्टैपुल्स, लिकर्ट स्केल।
कंप्यूटर–आधारित मनोवैज्ञानिक परीक्षण

विभिन्न विन्यासों में मनोवैज्ञानिक परीक्षण का अनुप्रयोग : निदानात्मक संगठनात्मक और व्यवसाय, शिक्षा परामर्श, सेना, जीविका मार्गदर्शन

इकाई-IV

व्यवहार का जैविक आधार

संवेदी तंत्रः सामान्य तथा विशिष्ट संवेदन, ग्राही और प्रक्रियाएँ

तंत्रिका कोशिकाएँ : संरचना, कार्य, प्रकार, तंत्रिकीय आवेग, अंतर्ग्रथनी संचरण, तंत्रिकीय संचारक

केंद्रीय तथा परिधीय तंत्रिका तंत्र – संरचना तथा कार्य। तंत्रिकीय सुघट्यता

शरीर क्रियात्मक मनोविज्ञान की विधियाँ : इंवेसिव विधियाँ – शरीरीय विधि, अपभ्रंसन तकनीकें, विक्षत तकनीकें, रासायनिक विधियाँ, सूक्ष्म-इलेक्ट्रोड अध्ययन, गैर-इंवेसिव विधियाँ – ई ई जी, स्कैनिंग विधियाँ

पेशी एवं ग्रंथि तंत्रः प्रकार एवं कार्य
अभिप्रेरण के जैविक आधार : भूख, प्यास, निद्रा, तथा संभोग।
संवेग के जैविक आधारः उपवल्कुटीय तंत्र, व्यवहार का हार्मोन द्वारा नियंत्रण।
आनुवंशिकता तथा व्यवहारः गुणसूत्रीय विसंगतताएँ, प्रकृति-पालन पोषण वादविवाद [ट्विन स्टडीज तथा एडॉप्शन स्टडीज]

इकाई-V

अवध्यान, प्रत्यक्षण, अधिगम, स्मृति तथा विस्मरण

ध्यान : ध्यान के स्वरूप, ध्यान के मॉडल्स

प्रत्यक्षण :
प्रत्यक्षण के अध्ययन के उपागम : गेस्टाल्ट तथा शारीरिक उपागम
प्रत्यक्षणात्मक संगठन : गेस्टाल्ट, आकृति-पृष्ठभूमि, संगठन के नियम
प्रत्यक्षणात्मक स्थैर्य : आमाप, आकार तथा रंग; भ्रम
अभिरूप, गहराई तथा गति का प्रत्यक्षण
प्रत्यक्षण में अभिप्रेरणा तथा अधिगम की भूमिका

संकेत अनुसंधान का सिद्धांत : अवधारणाएँ तथा अनुप्रयोग
ऊर्ध्वपातन प्रत्यक्षण तथा संबंधित कारक, प्रत्यक्षण का सूचना प्रक्रमण उपागम, संस्कृति तथा प्रत्यक्षण, प्रत्यक्षणात्मक शैलियाँ, पैटर्न्स की पहचान, प्रत्यक्षण पर पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण

अधिगम प्रक्रिया :
मूलभूत सिद्धांत : थार्नडिक, गुथ्री, हल
शास्त्रीय अनुकूलन : पद्धति, दृश्य घटना तथा संबंधित मुद्दे
नैमित्तिक अधिगम : दृश्यघटना रूपावलियाँ तथा सैद्धंतिक मुद्दे;
पुनर्बलन : आधारभूत्त परिवर्त्य तथा अनुसूचियाँ, व्यवहार आशोधन और इसके अनुप्रयोग
अधिगम में संज्ञानत्मक उपागम : अव्यक्त अधिगम, प्रेक्षणात्मक अधिगम
वाचिक अधिगम तथा विभेदात्मक अधिगम
अधिगम के क्षेत्र में नवीन प्रवृत्तियाँ : अधिगम का तंत्रिका तंत्र का शरीर विज्ञान

स्मृति एवं विस्मरण :
स्मृति प्रक्रिया : कूट संकेतन, भण्डारण, प्रतिनयन
स्मृति की अवस्थाएँ : संवेदी स्मृति, अल्पकालिक स्मृति (कार्यात्मक स्मृति), दीर्घकालिक स्मृति (ज्ञापक–घटनाजन्य तथा शब्दार्थ विषयक; कार्यविधिक)
विस्मरण के सिद्धान्त : व्यतिकरण, प्रतिनयन-विफलता, ह्रास, अभिप्रेरित विस्मरण

इकाई-VI

चिंतन, बुद्धि तथा सृजनात्मकता

विचार–प्रक्रम पर सैद्धांतिक दृष्टिकोण : साहचर्यवाद, गेस्टाल्ट, सूचना प्रक्रमण, फीचर इंटेग्रेशन मॉडल
संप्रत्यय निर्माण : नियम, प्रकार, तथा कार्यनीतियाँ; चिंतन में संप्रत्यय की भूमिका
तर्कना के प्रकार
भाषा और विचार

समस्या समाधान : प्रकार, कार्यनीतियाँ तथा अवरोध
निर्णयन : प्रकार तथा मॉडल्स

मेटासंज्ञान : मेटा संज्ञानात्मक ज्ञान तथा मेटासंज्ञानात्मक नियमन

बुद्धि : स्पियरमैन, थर्सटोन, जेन्सेन, कैट्टेल, गार्डनर, स्टेनबर्ग, गोलमैन, दास, कार, पर्रिला

सृजनात्मकता : टॉरेंस, गेजे तथा जैकसन, गुइफोर्ड, वैलेख और कोगन
बुद्धि और सृजनात्मकता के बीच संबंध

इकाई-VII

व्यक्तित्व, अभिप्रेरण, संवेग, दवाब, तथा समायोजन

व्यक्तित्व के निर्धारक तत्त्वः जैविक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक

व्यक्तित्व के अध्ययन के उपागमः मनोविश्लेषात्मक, नव-फ्रायडवादी, सामाजिक शिक्षा, विशेषक तथा प्रकार, संज्ञानात्मक, मानववादी, अस्तित्वपरक, परावैयक्तिक मनोविज्ञान

अन्य सिद्धान्तः रोटर का 'लोकस ऑफ कंट्रोल', सेलिग्मैन का 'एक्सप्लेटोरी स्टाइल्स', कोहलबर्ग का थियरी ऑफ मोरल डेवलपमेंट।

आधारभूत अभिप्रेरणात्मक संकल्पनाएँ : मूलप्रवृत्तियाँ, आवश्यकताएँ, अंतर्नोद, उत्तेजना, प्रलोभन, अभिप्रेरण-चक्र।

अभिप्रेरण के अध्ययन के उपागमः मनोविश्लेषणात्मक, जीव पारिस्थितिकीय, एस-आर संज्ञातात्मक, मानववादी

गवेषणात्मक व्यवहार तथा जिज्ञासा
जुकरमैन द्वारा वर्णित संवेदना की तलाश का विशेषक
उपलब्धि, एफिलिएशन तथा पावर
अभिप्रेरणपरक अभिक्षमता
स्वयं-नियंत्रण
प्रवाह

संवेग : शरीरक्रियात्मक सहसंबंधक
संवेग के सिद्धांतः जेम्स लांगे, कैनन बार्ड, शैक्टर ऐड सिंगर, लाजेरेस, लिंडस्ले।
संवेग नियमन

संघर्षः स्रोत तथा प्रकार
तनाव तथा तनाव का सामनाः संकल्पना, माडल, ए, बी, सी, डी प्रकार के व्यवहार, तनाव प्रबन्धन की कार्य नीतियां [बायो-फीड-बैक, संगीत चिकित्सा, प्राणायाम, प्रगामी पेशीय विश्रांति, निर्देशित बिम्ब विधान, सचेतता, मनन, योगासन, तनाव निवारक प्रशिक्षण]

इकाई-VIII

सामाजिक मनोविज्ञान

सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति, विषयक्षेत्र तथा इतिहास
पारंपरिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण : क्षेत्र सिद्धांत, संज्ञानात्मक विसंगतता, समाज–जैविकी, मनोगतिक उपागम, सामाजिक संज्ञान।

सामाजिक प्रत्यक्षण [संप्रेषण, गुणारोपण]; अभिवृति, और सांस्कृतिक संदर्भ के अंतर्गत इसका परिवर्तन; प्रसामाजिक व्यवहार

समूह तथा सामाजिक प्रभाव [सामाजिक सुकरीकरण, सामाजिक आवारगी]; सामाजिक प्रभाव [समनुरूपता, मित्र समूह का दवाब, अनुनय, अनुपालन, आज्ञापालन, सामाजिक अधिकार, प्रतिक्रिया]। आक्रामकता । समूह गतिकी, नेतृत्व की शैलियाँ तथा प्रभावशीलता। अंतर-समूह संबंध के सिद्धांत [अल्पतम समूह प्रयोग सामाजिक पहचान सिद्धांत, सापेक्ष वंचन सिद्धांत, यथार्थवादी संघर्ष सिद्धांत, संतुलन सिद्धांत, समता सिद्धांत, सामाजिक विनिमय सिद्धांत]
अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान : स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा कानून, वैयक्तिक स्पेस, भीड़भाड, तथा प्रादेशिकता

इकाई-IX

मानव विकास तथा अंतःक्षेप

विकासात्मक प्रक्रम : प्रकृति, सिद्धांत, विकास में विकासात्मक प्रक्रम की अवस्थाएँ, सफल जरण।
विकास के सिद्धांत : मनोविश्लेषणात्मक, व्यवहारवादी तथा संज्ञानात्मक
विकास के विविध पहलू : संवेदी गतिक, संज्ञानात्मक, भाषा, संवेगात्मक, सामाजिक तथा नैतिक।
मनोविकृति विज्ञान : संकल्पना, मानसिक स्थिति की जाँच, वर्गीकरण, कारण।
मनश्चिकित्सा : मनोविश्लेषण, व्यक्ति–केन्द्रित, गेस्टाल्ट, अस्तित्वपरक, स्वीकृति प्रतिबद्धता चिकित्सा, व्यवहार चिकित्सा, आर ई बी टी, सी बी टी, एम बी सी टी, क्रीड़ा–चिकित्सा, सकारात्मक मनश्चिकित्सा, संव्यवहार विश्लेषण, द्वंद्वात्मक व्यवहार चिकित्सा, कला–चिकित्सा, प्रदर्शन-कला चिकित्सा, परिवारपरक चिकित्सा।
विद्यालय में अभिप्रेरण तथा अधिगम के सिद्धांतों का अनुप्रयोग
शैक्षिक उपलब्धियों से जुड़े कारक
अध्यापक प्रभावशीलता
विद्यालय में मार्गदर्शन : आवश्यकता, संगठनात्मक विन्यास तथा तकनीकें
परामर्श कार्य : प्रक्रम, कौशल तथा तकनीकें

इकाई-X

उभरते हुए नवीन क्षेत्र

लिंग, गरीबी, अंपगता, तथा प्रवसन के मुद्दे: सांस्कृतिक पक्षपात तथा भेद-भाव। लांछन, पार्श्वीकरण तथा सामाजिक यंत्रणा, बाल उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा।

शांति मनोविज्ञान : हिंसा, अहिंसा, मोटे स्तर पर संघर्ष समाधान, संघर्ष समाधान में संचार–माध्यमों की भूमिका

सुखशांति और स्वसंवृद्धिः सुख–शांति के प्रकार [सुखवादी तथा आत्मानंदवादी], चारित्रिक बल, स्थिति–स्थापन तथा अभिघात-उपरान्त विकास

स्वास्थ्य : स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य के साथ समझौता करने से संबंधित व्यवहार, जीवनशैली और जीर्ण रोग [मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कोरोनी ह्रदयरोग], साइको न्यूरोइम्युनोलॉजी [कैंसर, एच आई वी / एड्स]

मनोविज्ञान तथा प्रौद्योगिकी अंतराफलक: डिजिटल लर्निंग, डिजिटल शिष्टाचार, साइबर दादागिरी, साइबर अश्लील साहित्य, उपभोग, निहितार्थ, डिजिटल सामग्री के उपयोग में माता–पिता की मध्यस्थता।